Rajasthan Patrika

EDII

July 6, 2022
Pg.2

समावेशी नीतियों से मिल रहा स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा: मंत्री वैष्णव

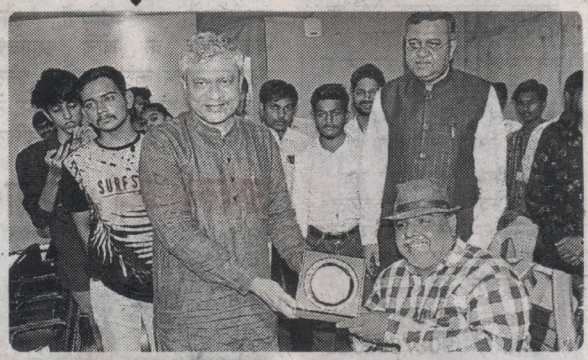

अहमदाबाद @ पत्रिका. केंद्रीय रेल व संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्टार्टअप के लिए राज्य सरकार की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार ने 'डिजिटल इंडिया', 'मेड इन इंडिया', 'मेक इन इंडिया', 'स्टैंडअप इन इंडिया' जैसी कई योजनाएं और कई ऐसी समावेशी नीतियां शुरू की है जिससे स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा मिल रहा है। स्टार्टअप सिस्टम को आगे बढ़ाने में राज्य सबसे बड़ी भूमिका निभाते हैं।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (इडीआइआइ) में विश्वविद्यालयों और इनक्यूबेशन सेंटर्स के संभावनाशील स्टार्टअप्स के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रतिभाशाली छात्रों के साथ बातचीत में वैष्णव ने नवोदित उद्यमियों के लिए स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में उभरने के लिए गुजरात की सराहना की। मंत्री वैष्णव ने कहा कि गुजरात ने सफल स्टार्टअप विकसित करने, कॉर्पोरेट प्रशासन को बढ़ाने, संचालन का विस्तार करने, फंडिंग अंतराल को दूर करने और मजबूत ब्रांड स्थापित करने पर जोर देकर यह किया है।

गुजरात के उद्योग संघों , सरकार, शिक्षा जगत के वरिष्ठ अधिकारियों, स्टार्टअप्स और अन्य लोगों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और अपने उद्यमशीलता के प्रयासों और अनुभवों को साझा किया। उद्यमिता की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए इडीआइआइ के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा कि हम सभी के लिए गर्व की बात है कि नवोदित नवोन्मेषकों और उद्यमियों के लिए एक मजबूत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने में गुजरात सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला राज्य बनकर उभरा है। भारत में अवसर बढ़ रहे हैं और यह समय है कि युवा उन अवसरों का लाभ उठाएं। उच्च और तकनीकी शिक्षा के प्रधान सचिव एस जे हैदर ने कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी हो रही है कि नई पीढ़ी उद्यमिता को अपना रही है और रोजगार के अवसर पैदा कर रही है। गुजरात सरकार के शिक्षा विभाग का उद्देश्य राज्य के स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना है और नवोदित स्टार्टअप्स की सहायता के लिए राज्य में इनक्यूबेटर स्थापित कर देश के भीतर रोजगार पैदा करना है। हमें विश्वास है कि हम गुजरात में स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।